पैकेज–II

Drishti IAS

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025

राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

(वैकल्पिक विषय)

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम में

आरंभ 12 जनवरी, 2025

कुल 6 सेक्शनल टेस्ट्स

ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में

शुल्क : ₹7,500/-

मुखर्जी नगर शाखा	करोल बाग शाखा	प्रयागराज शाखा	जयपुर शाखा	लखनऊ शाखा	इंदौर शाखा	नोएडा शाखा
641, मुखर्जी नगर, दिल्ली	21, पूसा रोड, नई दिल्ली	13/15, ताशकंद मार्ग, पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, उत्तर प्रदेश	प्लॉट नंबर–45 व 45–ए, हर्ष टावर–2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, राजस्थान	47/ सीसी, बलिंगटन मॉल, विधानसभा मार्ग, लालबाग, उत्तर प्रदेश	12, मेन ए.बी. रोड, भँवर कुआँ, मध्य प्रदेश	सी–171/2, ब्लॉक–ए, सेक्टर–15, उत्तर प्रदेश

Contacts: 87501 87501 E-mail: care@groupdrishti.in Website: www.drishtiias.com

विशेषताएँ

- प्रश्न की भाषा-शैली एवं प्रकृति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप तथा गहरी समझ और जानकारी पर आधारित।
- प्रश्न में पूछे गए टॉपिक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य परीक्षा में सहायक होंगे।
- अंर्तविषयात्मक एवं बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ मॉडल उत्तरों का सरल एवं प्रभावी प्रस्तुतिकरण।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्तर लेखन में अपेक्षित चित्रों, उदाहरणों, ग्राफिक निरूपण, पाई चार्ट आदि के माध्यम से बेहतर उत्तर तैयार किये जाने पर विशेष ध्यान।
- मॉडल उत्तर लेखन के दौरान केवल स्तरीय मानक पुस्तकों तथा स्रोतों का उपयोग।
- समुचित तैयारी के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य आवश्यक अंतराल।
- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित शब्द सीमा में मॉडल उत्तरों का निर्माण।

टेस्ट कोड	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 OPT-PSIR-2501	12 जनवरी, 2025 (रविवार)	पाश्चात्य राजनैतिक चिंतन
टेस्ट-2 OPT-PSIR-2502	19 जनवरी, 2025 (रविवार)	राजनैतिक सिद्धांत, राजनैतिक विचारधाराएँ, राज्य के सिद्धांत; शक्ति की संकल्पना, लोकतंत्र, समानता, न्याय, अधिकार
टेस्ट-3 OPT-PSIR-2503	2 फरवरी, 2025 (रविवार)	भारतीय राजनीतिक चिंतन, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के परिप्रेक्ष्य
टेस्ट-4 OPT-PSIR-2504	16 फरवरी, 2025 (रविवार)	भारतीय राष्ट्रवाद, भारत के संविधान का निर्माण, भारत के संविधान की प्रमुख विशेषताएँ; संघ सरकार के प्रधान अंग, राज्य सरकार के प्रधान अंग, आधारिक लोकतंत्र, संघवाद, संवैधानिक और सांविधिक संस्थान/आयोग, सामाजिक आंदोलन; योजना एवं आर्थिक विकास, भारतीय राजनीति में जाति, धर्म एवं नृजातीयता, दल प्रणाली
टेस्ट-5 OPT-PSIR-2505	2 मार्च, 2025 (रविवार)	तुलनात्मक राजनैतिक विश्लेषण एवं अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिः तुलनात्मक राजनीति, तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राज्य, राजनैतिक प्रतिनिधान एवं सहभागिता, भूमंडलीकरण अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के उपागम, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में आधारभूत संकल्पनाएँ, समकालीन वैश्विक सरोकार
टेस्ट-6 OPT-PSIR-2506	16 मार्च, 2025 (रविवार)	बदलती अंतर्राष्ट्रीय राजनीति व्यवस्था, गुटनिरपेक्षता आंदोलन को भारत का योगदान, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का उद्भव, संयुक्त राष्ट्र, विश्व राजनीति का क्षेत्रीकरण भारत एवं विश्वः भारत की विदेश नीति, भारत और दक्षिण एशिया, क्षेत्रीय सहयोग की बाधाएँ, भारत और वैश्विक दक्षिण; भारत एवं वैश्विक शक्ति केंद्र, भारत और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, भारत और नाभिकीय प्रश्न, भारतीय विदेश नीति में हाल के विकास

*पाठ्यक्रम के विस्तृत विवरण के लिये, कृपया बाद के पृष्ठों को देखें।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

मॉड्यूल अनुसूची

टेस्ट कोड	दिनांक व दिन	विस्तृत पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 OPT-PSIR-2501	12 जनवरी, 2025 (रविवार)	● पाश्चात्य राजनैतिक चिंतन: प्लेटो, अरस्तु, मैकियावेली, हॉब्स, लॉक, जॉन एस मिल, मार्क्स, ग्राम्स्की, हान्ना आरेन्ट
टेस्ट-2 OPT-PSIR-2502	19 जनवरी, 2025 (रविवार)	● राजनैतिक विचारधाराएँ: उदारवाद, समाजवाद, मार्क्सवाद, फासीवाद, नारी अधिकारवाद ● राज्य के सिद्धांत: उदारवादी, नवउदारवादी, मार्क्सवादी, बहुवादी, पश्च-उपनिवेशी, नारी-अधिकारवादी ● शक्ति की संकल्पना: प्राधान्य, विचारधारा, ● लोकतंत्र: क्लासिकी एवं समकालीन सिद्धांत, लोकतंत्र लोकतंत्र के विभिन्न मॉडल, प्रतिनिधिक, सहभागी, विमर्शी ● समानता: सामाजिक राजनैतिक एवं आर्थिक, समानता एवं स्वतंत्रता के बीच संबंध। ● न्याय: रॉल्स के न्याय के सिद्धांत के विशेष संदर्भ में न्याय के संप्रत्यय एवं इसके समुदायवादी समालोचक ● अधिकार: अर्थ एवं सिद्धांत, विभिन्न प्रकार के अधिकार, मानवाधिकार की संकल्पना
टेस्ट-3 OPT-PSIR-2503	2 फरवरी, 2025 (रविवार)	● भारतीय राजनैतिक चिंतन: धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र, बौद्ध परंपराएँ, सर सैयद अहमद खान, श्री अरविंद, एम.के. गांधी, बी.आर. अम्बेडकर, एम.एन. रॉय
टेस्ट-4 OPT-PSIR-2504	16 फरवरी, 2025 (रविवार)	● भारतीय राष्ट्रवाद: भारत के स्वाधीनता संग्राम की राजनैतिक कार्यनीतियाँ, संविधानवाद से जन सत्याग्रह, असहयोग, सविनय अवज्ञा, उग्रवादी एवं क्रांतिकारी आंदोलन, किसान एवं कामगार आंदोलन ● भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के परिप्रेक्ष्य: उदारवादी, समाजवादी, मार्क्सवादी, उग्र, मानवतावादी, दलित ● भारत के संविधान का निर्माण: ब्रिटिश शासन का रिक्थ, विभिन्न सामाजिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य ● भारत के संविधान की प्रमुख विशेषताएँ: प्रस्तावना, मौलिक अधिकार तथा कर्त्तव्य, नीति निर्देशक सिद्धांत, संसदीय प्रणाली एवं संशोधन प्रक्रिया, न्यायिक पुनर्विलोकन एवं मूल संरचना सिद्धांत ● संघ सरकार के प्रधान अंग: कार्यपालिका विधायिका एवं सर्वोच्च न्यायालय की विचारित भूमिका एवं वास्तविक कार्यप्रणाली। ● राज्य सरकार के प्रधान अंग: कार्यपालिका, विधायिका एवं उच्च न्यायालयों की विचारित भूमिका एवं वास्तविक कार्यप्रणाली। ● आधारिक लोकतंत्र: पंचायती राज एवं नगर शासन, 73वें एवं 74वें संशोधनों का महत्त्व, आधारिक आंदोलन ● संघवाद: सांविधानिक उपबंध, केंद्र राज्य संबंधों का बदलता स्वरूप, एकीकरणवादी प्रवृत्तियाँ एवं क्षेत्रीय आकांक्षाएँ, अंतर-राज्य विवाद। ● संवैधानिक और सांविधिक संस्थान/आयोग: निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ● सामाजिक आंदोलन: नागरिक स्वतंत्रताएँ एवं मानवाधिकार आंदोलन, महिला आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन ● योजना एवं आर्थिक विकास: नेहरूवादी एवं गांधीवादी परिप्रेक्ष्य, योजना की भूमिका एवं सार्वजनिक क्षेत्र, हरित क्रांति, भूमि सुधार एवं कृषि संबंध, उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार, भारतीय राजनीति में जाति, धर्म एवं नृजातीयता ● दल प्रणाली: राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय राजनैतिक दल, दलों के वैचारिक एवं सामाजिक आधार, बहुदलीय राजनीति के स्वरूप, दबाव समूह, निर्वाचक आचरण की प्रवृत्तियाँ, विधायकों के बदलते सामाजिक-आर्थिक स्वरूप

टेस्ट-5 OPT-PSIR-2505	2 मार्च, 2025 (रविवार)	तुलनात्मक राजनैतिक विश्लेषण एवं अंतर्राष्ट्रीय राजनीति ● तुलनात्मक राजनीति: स्वरूप एवं प्रमुख उपागम, राजनैतिक अर्थव्यवस्था एवं राजनैतिक समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, तुलनात्मक प्रक्रिया की सीमाएँ ● तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राज्य: पूंजीवादी एवं समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं में राज्य के बदलते स्वरूप एवं उनकी विशेषताएँ', उन्नत औद्योगिक एवं विकासशील समाज, राजनैतिक प्रतिनिधान एवं सहभागिता, उन्नत औद्योगिक एवं विकासशील समाजों में राजनैतिक दल, दबाव समूह एवं सामाजिक आंदोलन ● भूमंडलीकरण: विकसित एवं विकासशील समाजों से प्राप्त अनुक्रियाएँ ● अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के उपागम: आदर्शवादी, यथार्थवादी, मार्क्सवादी, प्रकार्यवादी, प्रणाली सिद्धांत ● अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में आधारभूत संकल्पनाएँ: राष्ट्रीय हित, सुरक्षा एवं शक्ति, शक्ति संतुलन एवं प्रतिरोध, राष्ट्रीयकर्त्ता एवं सामूहिक सुरक्षा, विश्व पूंजीवादी अर्थव्यवस्था एवं भूमंडलीकरण ● समकालीन वैश्विक सरोकार: लोकतंत्र मानवाधिकार, पर्यावरण, लैंगिक न्याय, आतंकवाद, नाभिकीय प्रसार
टेस्ट-6 OPT-PSIR-2506	16 मार्च, 2025 (रविवार)	● बदलती अंतर्राष्ट्रीय राजनीति व्यवस्था: महाशक्तियों का उदय, कार्यनीतिक एवं वैचारिक द्विध्रुवियता, शस्त्रीकरण की होड़ एवं शीत युद्ध, नाभिकीय खतरा ● गुट निरपेक्षता आंदोलन: उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, सोवियत संघ का पतन, एकलध्रुवीयता और अमेरिकी आधिपत्य, समकालीन विश्व में गुटनिरपेक्षता की प्रासंगिकता ● अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का उद्भव: ब्रेटनवुड से विश्व व्यापार संगठन तक, समाजवादी अर्थव्यवस्थाएँ तथा पारस्परिक आर्थिक सहायता परिषद (CMEA), नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की तृतीय विश्व की मांग, विश्व अर्थव्यवस्था का भूमंडलीकरण ● संयुक्त राष्ट्र: विचारित भूमिका एवं वास्तविक लेखा-जोखा, विशेषीकृत संयुक्त राष्ट्र अभिकरण- लक्ष्य एवं कार्यकरण, संयुक्त राष्ट्र सुधारों की आवश्यकता ● विश्व राजनीति का क्षेत्रीकरण: EU, ASEAN, APEC, SAARC, NAFTA भारत तथा विश्व ● भारत की विदेश नीति, विदेश नीति के निर्धारक, नीति निर्माण की संस्थाएँ, निरंतरता एवं परिवर्तन ● गुट निरपेक्षता आंदोलन को भारत का योगदान, विभिन्न चरण, वर्तमान भूमिका ● भारत और दक्षिण एशिया: क्षेत्रीय सहयोग, SAARC पिछले निष्पादन एवं भावी प्रत्याशाएँ, दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र के रूप में, भारत की पूर्व अभिमुखन नीति, क्षेत्रीय सहयोग की बाधाएँ, नदी जल विवाद, अवैध सीमा पार उत्प्रवासन, नृजातीय द्वंद एवं उपप्लव, सीमा विवाद ● भारत एवं वैश्विक दक्षिण: अफ्रीका एवं लातीनी अमेरिका के साथ संबंध, NIEO एवं WTO वार्ताओं के लिये आवश्यक नेतृत्व की भूमिका। ● भारत एवं वैश्विक शक्ति केंद्र: संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप संघ (EU), जापान, चीन और रूस। ● भारत एवं संयुक्त राष्ट्र प्रणाली: संयुक्त राष्ट्र शांति अनुरक्षण में भूमिका, सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग। ● भारत एवं नाभिकीय प्रश्न: बदलते प्रत्यक्षण एवं नीति ● भारतीय विदेश नीति में हाल के विकास: अफगानिस्तान, इराक एवं पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर भारत की स्थिति, US एवं इजराइल के साथ बढ़ते संबंध, नई विश्व व्यवस्था की दृष्टि

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

यू.पी.एस.सी. (2023) तथा दृष्टि राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध (वैकल्पिक विषय) टेस्ट सीरीज़ तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न पत्र-I

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
2308	3(b)	● राजनीति के अध्ययन के अनुभवजन्य और मानक दृष्टिकोण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये।	1(a)	● राजनीति-विज्ञान में मानकीय उपागम	10
2313	3(a)	● अधिकारों का बहु-संस्कृतिवाद की प्रसंगिकता का समालोचनात्मक परीक्षा कीजिये। क्या यह भारतीय संदर्भ में सही है?	1(b)	● अधिकारों का बहुसांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य	10
2301	8(b)	● "मनुष्य न तो सामाजिक प्राणी है और न ही राजनीतिक, बल्कि यह बिल्कुल पृथक प्राणी है।" हॉब्स के इस कथन की चर्चा कीजिये।	1. (c)	● प्राकृतिक अवस्था, युद्ध की अवस्था के रूप में (होब्स)	10
2307 2315	8(a) 4(c)	● ग्राम्शी और फौकॉल्ट के सिद्धांतों में शक्ति का तुलनात्मक विवरण दीजिये। ● "शक्ति हर जगह है" और "हर जगह से प्राप्त होती है" फौकॉल्ट के शक्ति सिद्धांत के संदर्भ में व्याख्या कीजिये।	1(d)	● फूको की शक्ति की अवधारणा	10
2308	4(a)	● राजनीतिक सिद्धांत की ढाई सहस्राब्दियों से चली आ रही एक लंबी परंपरा रही है। हालाँकि, नवीन राजनीति विज्ञान के प्रतिपादकों ने पारंपरिक राजनीतिक सिद्धांत की निरंतर प्रासंगिकता पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। चर्चा कीजिये।	1(e)	● राजनीतिक सिद्धान्त का पतन	10
2315	4(a)	● चर्चा कीजिये: रॉल्स का "न्याय का सिद्धांत" और उससे जुड़ी विभिन्न आलोचनाएँ।	2(b)	● रॉल्स के 'उदार स्व' का विचार बहुत अधिक व्यक्तिवादी है। इस सन्दर्भ में रॉल्स के न्याय सिद्धान्त की समुदायवादी आलोचना को स्पष्ट कीजिए।	15
2313	2(b)	● "राज्य से ऊपर कुछ भी नहीं, राज्य के विरुद्ध कुछ भी नहीं, राज्य के बाहर कुछ भी नहीं" यह कथन फासीवाद के मूल सिद्धांतों और विचारधारा को समाहित करता है। चर्चा कीजिये।	3(a)	● फासीवाद संसदीय लोकतंत्र के प्रति एक द्विधापूर्ण रुख प्रदर्शित करता है। समझाइए।	20

2302	5(a)	• समानता लाने के साधन के रूप में सकारात्मक कार्रवाई की बदलती भूमिका पर चर्चा कीजिये।	3 (b)	• सकारात्मक कार्रवाई नीतियों का जितना दृढ समर्थन किया जाता है, उतनी ही कठोर आलोचना भी की जाती है। इस कथन का समानता के सन्दर्भ में विश्लेषण कीजिए।	15
2311	8(c)	• उत्तर उपनिवेशवादी विचारधारा के प्रमुख सिद्धांत एवं अवधारणाएँ क्या हैं? अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं पर नव-उपनिवेशवाद के प्रभावों का परीक्षण?	3(c)	• यूरोकेन्द्रवाद, उत्तर-उपनिवेशवादी राजनीतिक सिद्धान्त का लक्ष्य एवं प्रेरक शक्ति दोनों है। विवेचन कीजिए।	15
2307	7(a)	• जॉन स्टुअर्ट मिल महिलाओं के अधिकारों के समर्थक थे। "महिलाओं की अधीनता" पर उनके निबंध से प्रेरणा लेते हुए, महिला अधिकारों के लिये उनके समर्थन पर टिप्पणी कीजिये।	4 (b)	• 'एक लिंग की दूसरे लिंग पर विधिक अधीनस्थता अपने आप में गलत है, और वर्तमान में मानव विकास के समक्ष एक मुख्य भाषा है।' (जे.ए.स मिल)। टिप्पणी कीजिए।	15
2309	2(a)	• श्री अरबिंदो की आध्यात्मिक राष्ट्रवाद दृष्टि पर टिप्पणी कीजिये। आध्यात्मिकता और राष्ट्र के विचार के साथ इसके संबंधों पर उनका क्या मत था।	4(c)	• भारतीय सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास पर श्री अरविन्द के स्वराज-सम्बन्धी विचार का गहन महत्त्व है। विश्लेषण कीजिए।	15
2315	8(a)	• कैसे ब्रिटिश शासन की विरासत भारत के संविधान की नींव बनाती है और इसकी संरचना को प्रभावित करती है? स्पष्ट कीजिये।	5(a)	• भारतीय संविधान पर ब्रिटिश संविधान की छाप	10
2303	3(b)	• गांधीजी ने अपने व्यक्तिगत और ऐतिहासिक अनुभवों के साथ निष्क्रिय प्रतिरोध से स्थापन्न होकर, सत्याग्रह के विचार का प्रस्ताव रखा। गांधीजी के शब्दों में दोनों के बीच के अंतर की चर्चा कीजिये।	5 (d)	• सत्याग्रह और भारतीय राष्ट्रवाद	10
2313	5(e)	• भारत के बहुसांस्कृतिक समाज में अल्पसंख्यक अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा के साथ-साथ सद्भाव सुनिश्चित करने में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की भूमिका का विश्लेषण कीजिये।	5 (e)	• राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग	10
2304	2(c)	• 74वाँ संविधान संशोधन अपूर्ण है। इस संदर्भ में, 74वें संविधान संशोधन के परिकल्पित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये वांछित परिवर्तनों पर चर्चा कीजिये।	6(a)	• 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों का विवेचन कीजिए। क्या आपके विचार में यह अधिनियम 'एक श्अधूरा स्वप्न' है? अपने तर्क दीजिए।	20
2304	3(c)	• भारतीय संविधान के पॉलिटिकल होरोस्कोप के आवश्यक तत्त्वों की विवेचना कीजिये।	6(c)	• भारत का संविधान 'किसी राष्ट्र की आधारशिला' है (प्रेनबिल ऑस्टिन) विश्लेषण कीजिए।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

2310	2(c)	• भारतीय संघवाद में सहयोग, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा को संबोधित करने वाले तंत्र पर टिप्पणी कीजिये।	7(a)	• क्या भारतीय संघवाद की वास्तविक कार्यप्रणाली भारतीय राजव्यवस्था में केन्द्रीकरण की प्रवृद्धि के अनुरूप है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।	
2304	5(a)	• राष्ट्रवाद का दलित परिप्रेक्ष्य।	7 (b)	• भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों का मुख्य लक्ष्य नागरिकों में नागरिक उत्तरदायित्व उत्पन्न करना है। स्पष्ट कीजिए।	15
2310	4(c)	• यह किस सीमा तक तर्क संगत है कि भारत में, लोग अन्य विचारों पर अपना मत डालने के बजाय अपनी जाति संबद्धता के आधार पर मतदान को प्राथमिकता देते हैं? दो आम चुनावों के संदर्भ में अपने स्पष्टीकरण का समर्थन कीजिये।	8(a)	• जातिगत राजनीति के उदय का श्रेय क्षेत्रीय आकांक्षाओं और चुनावी अभिव्यक्तियों- दोनों को दिया जा सकता है। टिप्पणी कीजिए।	20
2310 2310	1(c) 1(d)	• टिप्पणी कीजिये: "गठबंधन से अधिक, हमें भारत में गठबंधन नैतिकता की आवश्यकता है।" • भारत में दलीय प्रणाली के विखंडन के लिये अग्रणी कारकों का परीक्षण कीजिये।	8 (b)	• 1989-1999 के दशक ने राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दलीय प्रणाली में युगान्तरकारी परिवर्तन किए है। इस दौर की दलीय प्रणाली में निहित मुख्य राष्ट्रीय प्रवृत्तियों को चिह्नित कीजिए।	15

प्रश्न पत्र-II

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
2311	8(b)	• राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिये किस प्रकार विभिन्न तरीके अपनाते हैं तथा व्यवहार में इन दृष्टिकोणों के कुछ प्रासंगिक उदाहरण क्या हैं?	1 (a)	• तुलनात्मक राजनीति में अनुभवजन्य राजनीतिक सिद्धांत के कौन-से महत्वपूर्ण कार्य है?	10
2316	2(c)	• "राजनीतिक वैज्ञानिक एकांत में खड़े होकर मानक और प्रासंगिक मुद्दों से बेपरवाह अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर बना रहे थे।" पारंपरिक तुलनात्मक राजनीति के संदर्भ में इस पर चर्चा कीजिये।	1(b)	• एक राजनीतिक सिद्धांतकार को राज्यों की तुलना करने में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?	10
2316	4(c)	• चर्चा कीजिये: केवल संशोधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के केंद्र में सुधारित बहुपक्षवाद ही मानवता की आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है।	1(e)	• संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना एवं कार्यों की विवेचना कीजिए।	10
2312	2(b)	• स्वतंत्रता के बाद से गुटनिरपेक्षता भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत रहा है। वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिये।	2 (a)	• अपने राष्ट्रीय हित के लिए भारत के सॉफ्ट पावर को बढ़ाने में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के मानक लोकाचार की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।	20

2305	5(b)	• अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के लिये कार्यात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिये।	2(b)	• अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का प्रकार्यवादी दृष्टिकोण किस प्रकार से वैश्विक राजनीति में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करता है?	15
2312	1(c)	• टिप्पणी कीजिये: म्याँमार भारत की पूर्व कृत्य नीति की महत्त्वपूर्ण आधारशिला के रूप में कार्य करता है।	2(c)	• म्यांमार में शासन परिवर्तन और राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा एवं शांति को कैसे खतरा है ?	15
2305	6(b)	• राजनीतिक अर्थव्यवस्था के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिये।	3 (c)	• उन विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए जिनसे तेजी से पर्यावरणीय निम्नीकरण मानवीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।	15
2311	6(a)	• केनेथ वाल्ट्ज के रक्षात्मक यथार्थवाद और जॉन मियर्सहाइमर के आक्रामक यथार्थवाद के बीच प्रमुख अंतर और समानताओं का उल्लेख कीजिये?	4(b)	• आक्रामक और रक्षात्मक यथार्थवाद से आपका क्या तात्पर्य है?	15
2312	4(c)	• तेज़ी से विकसित हो रही अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक व्यवस्था में संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व में ह्रास का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये?	4 (c)	• वर्तमान के अमेरिकी आधिपत्य पर विभिन्न बाधाओं की चर्चा कीजिए। इनमें से किनकी भविष्य में अधिक प्रमुख होने की संभावना है?	15
2316	8(a)	• चर्चा कीजिये: वर्ष 2014 के बाद भारत की विदेश नीति पारंपरिक दृष्टिकोण से विचलन का प्रतिनिधित्व करती है।	5 (a)	• 21वीं सदी में भारत की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।	10
2306 2312	8(b) 5(e)	• भारत के क्षेत्रीय सहयोग में प्रमुख बाधाएँ कौन-सी हैं? चर्चा कीजिये। • सार्क को दक्षिण एशिया में आसियान की सफलताओं का अनुकरण करने के लिये विकसित किया गया था, हालाँकि यह बिना किसी महत्त्वपूर्ण सफलता के शिखर से गिर गया। चर्चा कीजिये।	5(b)	• दक्षिण एशिया में 'क्षेत्रीयता' की कमी के क्या कारण हैं?	10
2306	8(b)	• भारत के क्षेत्रीय सहयोग में प्रमुख बाधाएँ कौन-सी हैं? चर्चा कीजिये।	5(d)	• दक्षिण एशिया में जातिगत संघर्ष और विद्रोह क्षेत्रीय सहयोग में प्रमुख बाधाएँ क्यों बने हुए हैं?	10
2306 2312	8(a) 4(a)	• 'ग्लोबल साउथ' के नेता के रूप में भारत की स्थिति का मूल्यांकन कीजिये। • टिप्पणी कीजिये: दक्षिण एशिया में भारत-केंद्रित व्यवस्था।	5(e)	• अंतराष्ट्रीय राजनीति में वैश्विक दक्षिण के हितों की रक्षा करने के लिए भारत ने कौन-से कूटनीतिक कदम उठाए हैं?	10
2312	7(c)	• संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत के शांति अभियानों के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये।	6 (b)	• संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के दावे के आधार के रूप में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भारत की भूमिका के महत्व पर चर्चा कीजिए।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

2312 2312	2(c) 6(c)	• टिप्पणी कीजिये: अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का गुरुत्वाकर्षण केंद्र हिंद-प्रशांत की ओर स्थानांतरित हो रहा है। क्षेत्र में सहयोग और आपसी हितों को प्रोत्साहित करने में QUAD की भूमिका पर प्रकाश डालिये? • वैश्विक क्षेत्र में भारत और चीन का एक साथ उदय हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संघर्ष तथा प्रतिस्पर्द्धा में योगदान देता है, क्योंकि दोनों देश एक ही भू-सामरिक स्थान के लिये प्रतिस्पर्द्धा करते हैं। चर्चा कीजिये।	6 (c)	• एशिया में चीन के प्रभुत्व का सामना करने हेतु चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) भारत रणनीतिक संतुलन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विवेचन कीजिए।	15
2306	3(b)	• भारत के परमाणु सिद्धांत में उल्लिखित टर्म 'नो फर्स्ट यूज' की चर्चा कीजिये तथा इस घटक को संशोधित करने पर आम सहमति क्यों पाई जाती है? व्याख्या कीजिये।	7(a)	• 'भारत की परमाणु नीति इसकी सांस्कृतिक मान्यताओं एवं इसकी विदेश नीति के व्यावहारिक दृष्टिकोण से गहराई से प्रभावित है।' विवेचन कीजिए।	20
2312	7(a)	• तालिबान के अधिग्रहण के पश्चात् अफगानिस्तान के प्रति भारत की विदेश नीति में परिवर्तन के तत्त्वों का विश्लेषण कीजिये।	7(b)	• अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद भारत ने उस देश में पुनः अपने पाँव जमाने हेतु क्या कदम उठाए हैं?	15
2312 2306	6(a) 6(b)	• अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत-ईरान संबंधों को कैसे प्रभावित किया है और क्या आप मानते हैं कि इन प्रतिबंधों के आलोक में भारत तथा ईरान के मध्य संबंधों को पुनर्जीवित एवं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है? • भारत और ईरान एक ऐतिहासिक बंधन साझा करते हैं; हालाँकि, दोनों देश कूटनीतिक विवशताओं के कारण अपने द्विपक्षीय संबंधों को अपेक्षित रूप से संचालित नहीं कर पाए हैं। इस कथन के आलोक में उनके पारस्परिक महत्त्व, समस्याओं और संबंधों में सुधार के तरीकों पर चर्चा कीजिये।	7(c)	• भारत ईरान संबंधों की चुनौतियाँ एवं सीमाएँ क्या हैं?	15
2316	8(c)	• जो देश अपनी विदेश नीति में नैतिक पूर्णता की मांग करता है उसे न तो पूर्णता प्राप्त होगी और न ही सुरक्षा। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिये।	8(a)	• किसी राज्य की विदेश नीति के बाह्य निर्धारक तत्त्व क्या है?	20
2314	6(b)	• भारत की पश्चिम की ओर देखो नीति (लुक वेस्ट पॉलिसी) में प्रमुख बाधाएँ क्या हैं? चर्चा कीजिये।	8(b)	• भारत की 'लुक बेस्ट' नीति के आलोक में 'पश्चिम एशिया क्वाड' के महत्व पर चर्चा कीजिए।	15
2312	7(b)	• भारत अपनी विदेश नीति को आगे बढ़ाने और एशिया-अफ्रीका क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का सामना करने के लिये एशिया-अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर (AAGC) का किस प्रकार उपयोग कर रहा है?	8(c)	• अफ्रीका में भारत के हितों के प्रमुख कारकों की विवेचना कीजिए।	15

यू.पी.एस.सी. (2024) तथा दृष्टि राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध (वैकल्पिक विषय) टेस्ट सीरीज़ तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न पत्र-I

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
PSIR-2402	7. (a)	● "चूँकि समाज संघीय है, प्राधिकरण भी संघीय होना चाहिये"। राज्य के बहुलवादी सिद्धांत के आलोक में इस कथन का परीक्षण कीजिये।	1. (b)	● राज्य का बहुलवादी सिद्धांत	10
PSIR-2408	3. (c)	● ग्राम्सी के अनुसार शक्ति और आधिपत्य के बीच के अंतर को समझाइये	1. (e)	● शक्ति तथा आधिपत्य के बीच संबंध	10
PSIR-2401	2. (a)	● विकास के मार्क्सवादी सिद्धांत की व्याख्या कीजिये और यह निर्धारित कीजिये कि यह किस हद तक पुराना हो गया है और हाल के घटनाक्रमों से इसे अप्रचलित मान लिया गया है।	2. (b)	● मार्क्सवाद एक क्रिया-आधारित राजनीतिक सिद्धांत है, जो अपने मूल सिद्धांतों के सख्त अनुपालन की माँग करता है। टिप्पणी कीजिये।	15
PSIR-2408	5. (d)	● विचारशील लोकतंत्र की व्याख्या कीजिये।	3. (b)	● विमर्शी लोकतंत्र नागरिकों के मध्य सार्वजनिक मुद्दों के संबंध में लोकतांत्रिक निर्णयन को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। विवेचना कीजिये।	15
PSIR-2413	5. (d)	● भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के नव-मानवतावादी परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिये।	4. (c)	● मानवेन्द्रनाथ रॉय ने अपने राजनीतिक विचारों में मार्क्सवाद के मानवतावादी पहलुओं को विशिष्ट रूप से दर्शाया है। विवेचना कीजिये।	15
PSIR-2404	1. (d)	● राष्ट्रवाद का दलित परिप्रेक्ष्य।	7. (a)	● स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान भारतीय समाज में समतावाद की स्थापना में दलित संघर्ष के योगदान की विवेचना कीजिये।	20
PSIR-2409	5. (b)	● गांधी के स्वराज की समालोचन कीजिये।	7. (b)	● ग्राम स्वराज की रूप-रेखा, नियोजन पर गाँधीवादी दृष्टिकोण को समझने की कुंजी है। विवेचना कीजिये।	15
PSIR-2415	7. (a)	● दबाव समूहों की भूमिका समावेशी विकास के मूल आधार से भारत को एक आर्थिक केंद्र बनाने की धारणा तक विकसित हुई है। परीक्षण कीजिये।	7. (c)	● सरकार की निर्णयन प्रक्रिया में दबाव समूहों की भूमिका का आलोचनात्मक आकलन कीजिये।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

प्रश्न पत्र-II					
टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
PSIR-2414	6. (b)	● "युद्ध के हथियारों को समाप्त कर देना होगा, इससे पहले कि वे हमें समाप्त कर दे।"- जॉन एफ. कैनेडी। टिप्पणी कीजिये।	1. (e)	● बदलती विश्व व्यवस्था तथा चल रहे क्षेत्रीय संघर्षों ने, साथ ही वैश्विक शक्तियों का इनमें पक्ष लेना, निरस्त्रीकरण के लिए पहले हुई प्रगति को खतरे में डाल दिया है। टिप्पणी कीजिये।	10
PSIR-2406	7. (a)	● NAFTA और USMCA के संबंधित जनादेशों के बीच अंतर कीजिये।	2. (c)	● नाफ्टा की क्या खामियाँ थीं? संयुक्त राज्य अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते द्वारा इसके प्रतिस्थापन ने उनका प्रतिकार कैसे किया? व्याख्या कीजिए।	15
PSIR-2404	1. (a)	● स्वातंत्र्योत्तर भारत में नारी आंदोलन का विश्लेषण कीजिये।	3. (a)	● विश्व के विभिन्न देशों में महिलाओं के दैहिक अधिकारों के संबंध में हाल ही के प्रमुख सामाजिक आंदोलनों की चर्चा कीजिये।	20
PSIR-2402	3. (c)	● ग्राम्शी के शब्दों में शक्ति और आधिपत्य का विशिष्ट विवरण दीजिये।	4. (a)	● "ग्राम्शी द्वारा प्रतिपादित आधिपत्य सिद्धांत वैश्विक शक्ति की प्रकृति में कई मूल्यवान अन्तर्दृष्टि प्रदान करता है।" टिप्पणी कीजिये।	20
PSIR-2406	6. (c)	● डब्ल्यू.टी.ओ. की कार्यप्रणाली के अंतर्निहित सिद्धांत और एक उदार व्यापार व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रमुख उद्देश्यों पर चर्चा कीजिये।	4. (b)	● व्यापार बाधाओं एवं आर्थिक प्रतिबंधों की वापसी ने GATT की भावना को क्षीण कर दिया है। इस संदर्भ में, वर्तमान समय में WTO की अवनति के लिये योगदान देने वाले कारकों की चर्चा कीजिये।	15
PSIR-2406	3. (c)	● यूरोपीय संघ क्षेत्रीय एकीकरण का सबसे पहला और सबसे सफल मॉडल है। टिप्पणी कीजिये। यूरोपीय संघ के सामने उपस्थित वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डालिये।	4. (c)	● क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ई.यू. क्षेत्रीय समन्वयन प्रक्रिया में अब तक का सबसे सफल प्रयोग प्रमाणित हुआ है? इसकी सफलताओं तथा हाल ही में उसके सम्मुख आई कुछ चुनौतियों का स्पष्टीकरण कीजिये।	15
PSIR-2416	8. (c)	● 'ग्लोबल साउथ' के नेता के रूप में भारत की स्थिति का मूल्यांकन कीजिये।	6. (c)	● 21वीं सदी में एक नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था स्थापित करने के लक्ष्य को साकार करने में वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में भारत की संभावित भूमिका पर चर्चा कीजिये।	15
PSIR-2406	5. (e)	● भारत के लिये आसियान का महत्त्व: टिप्पणी कीजिये।	7. (a)	● आसियान और बिम्सटेक जैसे अन्य क्षेत्रीय समूहों पर भारत के बढ़ते फोकस संकेन्द्रण के आलोक में सार्क के भविष्य पर चर्चा कीजिये।	20
PSIR-2406	3. (b)	● गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) एक परोपकारी विचार था जो कोमा में चला गया, चर्चा कीजिये। साथ ही, वर्तमान समय में भारत के लिये NAM की प्रासंगिकता का आकलन कीजिये।	8. (c)	● "भारत ने हाल में, बहु-सरेखण की अपनी खोज में गुटनिरपेक्षता को खारिज करने का विकल्प चुना है।" टिप्पणी कीजिये।	15